कला दीर्घा
KALA DIRGHA

October 2014, Volume-15, No. 29

कला दीर्घा
KALA DIRGHA

दृश्य कला की अंतरदेशीय पत्रिका,
अक्टूबर 2014, वर्ष 15, अंक 29

International Journal of Visual Art,
October 2014, Vol. 15, No. 29

Website : www.kaladirgha.com
ISSN : 0976 - 1500

Cover 1
Painting of Vijendra Sharma

Cover 4
Sculpture of Yoshin Ogata

Publisher & Distributor
Anju Sinha
1/95, Vineet Khand, Gomti Nagar, Lucknow-206010 INDIA
✆ +91-522-2725942 Email : anju1965@yahoo.com
website : www.kaladirgha.com

Editor (Honorary)
Dr. Awadhesh Misra
C-361, Rajajipuram, Lucknow-226 017, INDIA
✆ +91-94150 22724 Email : misra.awadhesh@gmail.com
website : www.awadhesharts.com

Co-Editor
Dr. Leena Misra

Representative - Delhi
Hemraj

Representative - U.K.
Rakesh Mathur

Representative - U.S.
Smita Narayan

Representative - Korea
Song, In-Sang

The editor is not responsible for the published articles. For any legal dispute the matter will be in the jurisdiction of the Lucknow Courts. Reproduction in any form is prohibited.
Printed at Archana Advertising Pvt. Ltd., New Delhi

Price : ₹ **150/-, US $ 10; UK £ 6,** for institutions- ₹**250/-** in India

कला दीर्घा
KALA DIRGHA

दृश्य कला की अंतरदेशीय पत्रिका, अक्टूबर 2014, वर्ष 15 अंक 29
International Journal of Visual Art, October 2014, Vol. 15, No. 29
website : www.kaladirgha.com

डॉ. अवधेश मिश्र — 04 — कला, कला-बाजार और मूल्य

अवधेश अमन — 06 — स्थापित मूल्यों की टूटती मान्यताएँ

डॉ. राजेश कुमार व्यास — 11 — रंग रेखाओं रचा मोहक छंद

अशोक भौमिक — 15 — फलक पर उभरते गहरे जन-सरोकार

भुनेश्वर भास्कर — 22 — जहाँ आप सीमा तोड़ते हैं, वहाँ कला बन जाती है

मनमोहन सरल — 30 — नटखट रंगो का चितेरा

शहेनशाह हुसैन — 35 — कलाओं के युवा उजास

वेद प्रकाश भारद्वाज — 45 — यथार्थ, स्वप्न और गतिशीलता

डॉ. राजेश कुमार व्यास — 49 — परम्परा और समकालीनता की सूझ में कलाओं की दीठ

Balamani M — 54 — Photography's Tales and Tails . . .

Dr. Ashrafi S Bhagat — 60 — Fractured Realities

Bhoomika Jain — 66 — Gushes of Ripened Innocence

Giorgio Segato — 72 — A Water Drop, The Source of Life

Khatuna Khabuliani — 78 — "Hippodrome" - History and Memory in Painting

Dr. Avaneet Gandhi — 82 — Magically Illuminated

सम्पादकीय

कला, कला-बाजार और मूल्य

कला जगत के लिए यह अच्छी खबर है कि अभी हाल में सैयद हैदर रज़ा का एक चित्र 8.17 करोड़ रूपये और जहाँगीर साबावाला का चित्र लगभग 3.0 करोड़ रूपये का बिका। यह भारतीय कला बाजार और कलाकारों के लिए शुभ संकेत है। लगभग दस वर्ष बाद भारतीय कला-बाजार सुधर रहा है पर इन दस वर्षों में भारतीय कला जगत में अनेक उतार-चढ़ाव आए हैं। पीआर प्रॉडक्ट कलाकार कला क्षेत्र छोड़कर भाग गए। रातों रात अस्तित्व में आई कला-वीथिकाओं का अता-पता नहीं रहा। जिन वीथिकाओं में पूरे साल की गतिविधियों की सूची तैयार रहती थी, वहाँ अस्तित्व बचाए रखने के लिए इक्का-दुक्का गतिविधियाँ दिखने लगीं। करोड़ों के कलाकार हजारों में आ गए। इंस्टालेशन और न्यू मीडिया कलाकारों की लिस्ट छोटी हो गई। कला की बाजीगरियाँ भी कम हुई हैं पर आज भी गम्भीर और अगम्भीर कला का फर्क कर पाना मुश्किल ही है। जहाँ बाजार ने कलाकारों को काम करने और कला-प्रेमियों तक पहुँचने में बिना ऊर्जा गँवाए प्रयोग करने की सुविधा और धन दिया हैं, वहीं बाजार के अन्य पहलू खतरनाक भी हैं। आज गम्भीर कला और कलाकार कौन है, यह बाजार ही तय करने लगा है। इससे कला में शास्त्रीय मूल्य लगभग समाप्त हो गए हैं बाजार की पहुँच से दूर कलाकार अथक परिश्रम और उच्चकोटि की रचनात्मकता के बावजूद अपने को एक सर्वमान्य कलाकार की श्रेणी से अलग पाता है। वीथिकाएँ निश्चित रूप से अपने उद्देश्यों के मुताबिक सेलेबल आर्ट/आर्टिस्ट को ही अपने से जोड़ती हैं और उन्हें स्थापित करने के लिए मीडिया से लेकर पूँजीपतियों/संग्राहकों तक अपनी ऊर्जा लगाती हैं और कलाकार उनकी माँग के अनुरूप एक तय मूल्य पर काम करता है जो विक्रय मूल्य से बहुत कम होता है। भले ही वह कला सांस्कृतिक और शास्त्रीय मूल्यों पर खरी न उतरती हो पर उसे महान कलाकार के रूप में प्रोजेक्ट किया जाता है। ऐसे में मीडिया और कला-समीक्षकों की भूमिका अति महत्त्वपूर्ण होती है कि वे कला और कला प्रेमियों के बीच सेतु बनकर गम्भीर और अगम्भीर कला के अन्तर को, उस कला के महत्त्व को आलोकित करें ताकि कला प्रेमी न कि उस कला का सहज अस्वादन कर सकें बल्कि उसके सांस्कृतिक मूल्य को भी आसानी से समझ सकें। साथ ही बाजार द्वारा थोपे गए इस आग्रह से

अवधेश मिश्र, संयोजन - 03/2014, कैनवस पर एक्रेलिक, 90 × 90 सेमी.
Awadhesh Misra, Composition-03/2014, Acrylic on Canvas, 90x90 Cms.